गुलाल गोटा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राजस्थान के जयपुर** में लगभग **400 साल पुरानी एक अनोखी परंपरा गुलाल गोटा** मनाई गई।

मुख्य बिंदु:

- गुलाल गोटा लाख से **बनी एक छोटी गेंद** होती है, जिसमें सूखा गुलाल भरा जाता है जिसके बाद इसका वज़न लगभग 20 ग्राम होता है।
- गुलाल गोटा के लिये प्राथमिक कच्चा माल लाख, छत्तीसगढ़ और झारखंड से प्राप्त किया जाता है।
  - गुलाल गोटा बनाने की प्रक्रिया में लाख को पानी में उबालकर उसे लचीला बनाना, आकार देना, रंग मिलाना, गरम करना और फिर **"फूँकनी"** नामक ब्लोअर की मदद से इसे गोलाकार आकार में तैयार करना शामिल है।
- गुलाल गोटा जयपुर में मुस्लिम लाख निर्माताओं द्वारा तैयार किया जाता है, जिन्हें **मनहिारों के नाम से जाना** जाता है, जिन्होंने जयपुर के पास एक शहर बगरू में हिंदू लाख निर्माताओं से लाख बनाना सीखा था।
- भारत सरकार द्वारा लाख की चूड़ी और गुलाल गोटा निर्माताओं को **"कारीगर कार्ड"** प्रदान किये गए हैं, जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।
- परंपरा को बचाने के लिए, कुछ गुलाल गोटा निर्माताओं ने **भौगोलिक संकेत (GI)** टैग की मांग की है।

लाख

- यह एक रालयुक्त पदार्थ है जो **कुछ कीड़ों द्वारा स्रावित** होता है। **मादा स्केल कीट** लाख के स्रोतों में से एक है।
- **1 किलोग्राम लाख राल का उत्पादन करने के लिए, लगभग 300,000 कीड़े मारे जाते हैं** । लाख के कीड़े राल, लाख डाई और लाख मोम भी पैदा करते हैं।
- इसका उपयोग **लाख की चूड़ियों** के उत्पादन सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है।

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- GI टैग एक ऐसा **नाम या चिह्न है जिसका उपयोग कुछ उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से मेल खाते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल अ**धिकृत उपयोगकर्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों को ही** लोकप्रिय उत्पाद नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
- यह उत्पाद को दूसरों द्वारा कॉपी या नकल किये जाने से भी बचाता है।
- एक पंजीकृत GI, 10 वर्षों के लिए वैध है।
- GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gulal-gota